www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 312 || लखनऊ
सोमवार
16 फ़रवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:42
सूर्यास्तः 05:59
अधिकतमः 28°00
न्यूनतमः 13°00

पेज 03

विशेष समाचार | कांग्रेस पर भारी पड़ता राहुल का रवैया... >> पेज 02 | काली स्कॉर्पियो से सिपाही को उठा ... >>पेज 04 | सारा अर्जुन ने अपने फैंस को दी ...

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में 'जनता दर्शन' में 100 से अधिक लोगों की समस्याएं सुनीं

चिंता मत करें, हर समस्या का होगा समाधान : योगी

निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की और समस्याएं सुनकर अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। रविवार को देवाधिदेव महादेव की आराधना के विशेष पर्व महाशिवरात्रि पर आनुष्ठानिक व्यस्तता में भी उन्होंने जनसेवा का अनुष्ठान जारी रखा। जनता दर्शन में आए लोगों से मुख्यमंत्री ने कहा, 'चिंता मत करें, हर समस्या का समाधान होगा, सबकी भरपूर मदद की जाएगी।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराएं। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी।

>> (शेष पेज 04 पर)

गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री ने किया जनता दर्शन का आयोजन

रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

सीएम योगी यहां कई गोवंश को उनके लिए रखे नामों से बुलाते हैं। रविवार सुबह उन्होंने एक गोवंश को जब यह कहकर पुकारा, 'ओ मोलू' तो श्याम रंग का यह बछड़ा भाव विह्वल होकर सीएम योगी की तरफ दौड़ पड़ा। मुख्यमंत्री ने मोलू को खूब दुलारा और उसे अपने हाथों से रोटी-गुड़ खिलाया। मंदिर की गोशाला में जब भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचते हैं तो प्रायः एक मोर भी उनके इर्द-गिर्द आ जाता है। मुख्यमंत्री ने मोर को भी दुलारा और अपने हाथों से रोटी के टुकड़े करके उसे खिलाया।

सीएम ने पुकारा, 'ओ भोलू' और भाव विह्वल हो दौड़ आया गोवंश

दृढ़ संकल्पों वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एक सुपरिचित पहचान गोसेवक की भी है। जब भी वह गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर होते हैं गोशाला में जाकर गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। रविवार सुबह भी मंदिर की गोशाला में जाकर उन्होंने गोसेवा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गायों और गोवंश को अपने हाथों से रोटी-गुड़ खिलाया। उनसे ठिठोली भी की और फिर स्नेहाशीष से खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने इन सभी बच्चों को अपने हाथ से चॉकलेट भी दी।

करीब 150 लोगों से मुलाकात कर सुनीं समस्याएं

कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। जहां पैमाइश की जरूरत हो, वहां पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण कराया जाए। पारिवारिक विवाद के मामलों में उन्होंने उभयपक्षों के साथ संवाद कर समाधान की राह निकालने के लिए निर्देशित किया।

मंदिर परिसर में सीएम ने बच्चों पर लुटाया प्यार, कराया अन्नप्राशन

रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नजर परिजनों के साथ मंदिर आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने बच्चों को अपने पास बुला लिया, उन पर खूब प्यार लुटाया। उन्होंने बच्चों से उनका नाम और पढ़ाई के बारे में पूछा। उनसे ठिठोली भी की और फिर स्नेहाशीष से खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने इन सभी बच्चों को अपने हाथ से चॉकलेट भी दी।

सदन चलाने विपक्ष के नेता का मैच्योर होना जरूरी : रिजिजू

सुषमा स्वराज का वीडियो शेयर किया, राहुल गांधी की स्पीच से संसद में हंगामा हुआ था

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म X पर स्वर्गीय BJP नेता सुषमा स्वराज का पुराना वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा कि एक मैच्योर विपक्ष का नेता (LoP) सदन को आसानी से चलाने और पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी को बेहतर बनाने में बहुत काम आता है। रिजिजू का यह बयान बजट सत्र के पहले चरण में हुए हंगामे के बाद आया। राहुल गांधी ने चीनी टैंक की लद्दाख में घुसपैठ और पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब पर बयान देने

की कोशिश की थी। उन्होंने 'एपस्टीन फाइल्स' और इंडिया-US ट्रेड डील जैसे मुद्दों को संसद में उठाने का प्रयास किया था, जिन्हें बीजेपी ने बेबुनियाद बताया था। इसके बाद स्पीकर ने उन्हें रोका। जिसके बाद विपक्षी सांसदों सदन में हंगामा कर दिया था और सदन की कार्यवाही को बाधित किया था। किरेन रिजिजू ने सुषमा स्वराज की 2014 की लोकसभा में दी गई स्पीच शेयर की, जिसमें वो कहती हैं कि- भारतीय लोकतंत्र के मूल में एक भाव है। वो भाव ये है कि हम एक दूसरे के विरोधी है मगर शत्रु नहीं, हम विरोध विचारधाराओं, नीतियों और कार्यक्रम का करते है। हम जो आलोचना करते हैं वो प्रखर आलोचना हैं। लेकिन प्रखर आलोचना भी भारतीय लोकतंत्र में एक दूसरे के व्यक्तिगत संबंधों में आड़े नहीं आती है। मुझे आडवाणी जी हमेशा निर्देश देते थे कि सदन की गरिमा के अनुरुप ही आचरण करना। और आज मैं यह स्वीकार करना चाहूंगी कि नेता प्रतिपक्ष के रुप में जो भूमिका मैं निभा सकी वो आदरणीय आडवाणी जी के कारण निभा सकी।

22 अप्रैल को खुलेंगे केदारनाथ धाम के कपाट

महाशिवरात्रि पर उखीमठ में तिथि घोषित, 2025 के मुकाबले 10 दिन पहले शुरू होगी यात्रा

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट इस साल 22 अप्रैल को सुबह 8 बजे खुलेंगे। महाशिवरात्रि के अवसर पर पंचकेदार गद्दी स्थल उखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में वैदिक विधि-विधान और पंचांग गणना के बाद शुभ मुहूर्त की औपचारिक घोषणा की गई। इस वर्ष कपाट वृष लग्न में खुलेंगे, जिसे धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना जाता है।

>> (शेष पेज 04 पर)

कपाट खुलने की तिथि घोषणा के साथ केदारनाथ धाम के नए रावल केदार लिंग के नाम की आधिकारिक घोषणा भी की गई। रावल धाम की पूजा पद्धति, परंपराओं और धार्मिक व्यवस्थाओं के सर्वोच्च संरक्षक माने जाते हैं और उनके निर्देशन में ही कपाट खुलने से लेकर प्रमुख अनुष्ठान सम्पन्न कराए जाते हैं।

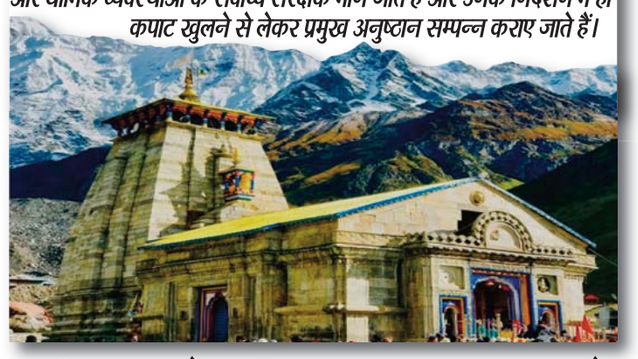

फास्ट न्यूज

सोने की चेन में लगा रहे तेंदुए का नाखून

शिमला। हिमाचल प्रदेश में इन दोनों एक अनोखा ट्रेंड सामने आ रहा है। खासकर ऊपरी शिमला में इन दिनों एक चिंताजनक ट्रेंड सामने आया है। शौक और स्टेटस सिंबल के तौर पर लोग सोने की चेन में तेंदुए के नाखून लगवाकर पहन रहे हैं। सूत्रों के अनुसार कुछ क्षेत्रों में युवाओं और शौकीन लोगों के बीच तेंदुए के नाखून को 'लकी चार्म' और प्रभावशाली पहचान के रूप में देखा जा रहा है। स्थानीय स्तर पर ऐसी ज्वेलरी खुलेआम उपलब्ध नहीं है।

हिमांगी सखी बनीं किन्नर शंकराचार्य, पुष्कर में पीठ की घोषणा

भोपाल। भोपाल में महाशिवरात्रि पर आयोजित किन्नर धर्म सम्मेलन में हिमांगी सखी को 'किन्नर शंकराचार्य' घोषित करते हुए उनका पट्टाभिषेक किया गया। आयोजन में राजस्थान के पुष्कर को पहली किन्नर शंकराचार्य पीठ घोषित किया गया। कार्यक्रम किन्नर वैष्णव अखाड़ा की ओर से आयोजित किया गया। इसमें किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास सहित विभिन्न राज्यों से आए संत-महात्मा और किन्नर समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। आयोजकों ने दावा किया कि धर्म परिवर्तन कर चुके 60 किन्नरों ने शुद्धिकरण प्रक्रिया के बाद पुनः हिंदू धर्म स्वीकार किया।

झज्जर पहुंचे केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले

झज्जर। झज्जर में आज रविवार को केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले एक सामाजिक कार्यक्रम में पहुंचे। अठावले ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की मौत के मामले में बड़ा बयान देते हुए विमान हादसे की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना पायलट की लापरवाही के कारण हुई प्रतीत होती है और सच्चाई सामने लाने के लिए निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

ट्रेड डील में किसानों के साथ धोखा हो रहा : राहुल

पीएम मोदी से 5 सवाल किए, शाह बोले- राहुल झूठ फैला रहे

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से पांच सवाल किए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस डील के नाम पर भारतीय किसानों के साथ विश्वासघात हो रहा है। गांधी ने कहा कि यह मुद्दा देश की कृषि के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने पीएम मोदी से सवाल करते हुए लिखा कि किसानों को जवाब तो मिलने ही चाहिए। यह सिर्फ आज की बात नहीं है। ये भविष्य की भी बात है। क्या हम किसी दूसरे देश को भारत की कृषि उद्योग पर लंबे समय की पकड़ बनाने दे रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म X पर

पोस्ट 5 सवाल किए- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गांधीनगर में राहुल पर आरोप लगाया कि वे US, UK और EU के साथ भारत की ट्रेड डील को लेकर झूठ फैला रहे हैं और किसानों को गुमराह कर रहे हैं। शाह ने यह भी कहा कि राहुल कोई भी प्लेटफॉर्म चुन लीजिए। BJP युवा मोर्चा के प्रेसिडेंट भी आकर आपसे इस बात पर बहस कर सकते हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

इसी दिन पीएम की फ्रांसीसी राष्ट्रपति से मुलाकात, स्पीकर ओम बिरला ढाका जाएंगे

17 को रहमान का शपथ समारोह, मोदी को न्योता

- तारिक रहमान ने जीत के बाद शनिवार को पहली बार मीडिया से बात की।
- चुनाव परिणाम के बाद तारिक रहमान ने शुक्रवार को मस्जिद में नमाज अदा की और अपने माता-पिता को श्रद्धांजलि दी।

तमसा संकेत, एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के चेयरमैन तारिक रहमान 17 फरवरी को देश के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं को इस समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक इस समारोह में भारत की तरफ से लोकसभा

अध्यक्ष ओम बिरला शामिल होंगे। उनके साथ विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी रहेंगे। PM मोदी 17 फरवरी को मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक करने वाले हैं, इसलिए वे ढाका नहीं जा रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह परंपरा से अलग इस बार राष्ट्रपति भवन की जगह ढाका के नेशनल पार्लियामेंट कॉम्प्लेक्स के साउथ प्लाजा में होगा। बांग्लादेश ज्यादातर SAARC सदस्य देशों के नेताओं को आमंत्रित करने की योजना बना रहा है। SAARC पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की पहल पर शुरू हुआ था।

>> (शेष पेज 04 पर)

> तारिक ने कहा कि आज से देश में सच्चे अर्थों में आजादी और अधिकार बहाल हुए हैं। उन्होंने बांग्लादेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि लोगों ने सभी मुश्किलों को पार कर देश में लोकतंत्र की राह बनाई है। चुनाव परिणाम के बाद तारिक रहमान ने शुक्रवार को मस्जिद में नमाज अदा की और अपने माता-पिता को श्रद्धांजलि दी।

रहमान बोले- सार्क को फिर एक्टिव करने की कोशिश करेंगे

बांग्लादेश आम चुनाव में जीत के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) अध्यक्ष तारिक रहमान ने शनिवार को पहली बार मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि SAARC की शुरुआत बांग्लादेश ने की थी, इसलिए वे इसे फिर से शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद वे दूसरे देशों से बात करेंगे और संगठन को दोबारा एक्टिव करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने साफ कहा कि देश में कानून-व्यवस्था हर हाल में बनाए रखी जाएगी।

38 देशों से एफटीए पर बातचीत जारी, राजनीतिक स्थिरता से निवेशकों का भरोसा बढ़ा

यह बजट मजबूरी नहीं, 'हम तैयार हैं' वाला पल : मोदी

आत्मविश्वास

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि इस साल का बजट देश के विकसित भारत बनने के लक्ष्य को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह बजट किसी मजबूरी में लिया गया फैसला या 'अभी नहीं तो कभी नहीं' जैसा पल नहीं, बल्कि 'हम तैयार हैं' वाला पल है, जो तैयारी और आत्मविश्वास से पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि आर्थिक ताकत और स्थिर नीतियों से भारत बेहतर शर्तों पर समझौते कर पा रहा है। भारत 38 देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर काम कर

रहा है। FTA का मकसद टेक्सटाइल, लेदर और अन्य सेक्टर्स के MSMEs को नए बाजार और निर्यात के अवसर देना है। मोदी ने UPA के समय के आर्थिक मिसमैनेजमेंट की आलोचना की। उन्होंने कहा कि UPA राज में बातचीत शुरू होती थी और फिर टूट जाती थी। लंबी बातचीत के बावजूद कोई खास नतीजा नहीं निकला। सरकार देश की डिफेंस फोर्सेज को मजबूत बनाने के लिए जो भी जरूरी होगा, वह करेगी। डिफेंस बजट में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए रक्षा क्षेत्र का आधुनिकीकरण सरकार की जिम्मेदारी है सुधार सरकार का कमिटमेंट है, जिसे उसने पूरी तरह से दिखाया है। आर्थिक बदलाव के अगले फेज के लिए प्राइवेट सेक्टर बहुत जरूरी है। प्राइवेट सेक्टर को मार्जिन बचाने पर कम ध्यान देना चाहिए और R&D सप्लाई चेन, क्वालिटी में तेजी से इन्वेस्ट करना चाहिए। विकसित भारत की अगली छलांग प्राइवेट सेक्टर द्वारा इनोवेशन, लॉन्ग-टर्म कैपेसिटी, ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस में बड़े इन्वेस्टमेंट पर निर्भर करेगी। जैसे-जैसे प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी, प्राइवेट सेक्टर के मालिकों को अपने फायदे वर्कर्स के साथ सही तरीके से शेयर करने चाहिए। भारत दुनिया में एक डिजिटल लीडर है, जो UPI प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों के लेन-देन के तरीके में बड़े सुधारों से मुमकिन हुआ है। डेटा सेंटर हमारे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर जॉब क्रिएटर होंगे। हम पूरी दुनिया का डेटा भारत में आने के लिए बुलाते हैं। जबकि रिफॉर्म एक्सप्रेस ने बहुत बड़ी तरक्की की है।

>> (शेष पेज 04 पर)

टीपू सुल्तान शिवाजी महाराज के बराबर : अध्यक्ष हर्षवर्धन

बीजेपी बोली- सपकाल पागल हो चुके हैं, पुणे में पूर्व विधायक के पोस्टर जलाए, एफआईआर

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलढाणा। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना टीपू सुल्तान से करने पर विवाद बढ़ गया है। सपकाल ने कहा था- टीपू सुल्तान को शिवाजी महाराज के बराबर मानना चाहिए। वे एक योद्धा और भारत के भूमिपुत्र के रूप में उभरे। उन्होंने कभी भी जहरीली सोच को नहीं अपनाया। दरअसल, सपकाल 14 फरवरी को बुलढाणा में मालेगांव नगर निगम के डिप्टी मेयर निहाल अहमद के ऑफिस पर थे। वे टीपू सुल्तान की तस्वीर हटाने पर हुए विवाद के बारे में बोल रहे

> भाजपा कार्यकर्ताओं ने हर्षवर्धन सपकाल के पोस्टर जलाए, उनके पोस्टर को चप्पलों की माला पहनाई।

थे। BJP प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि महाराष्ट्र कांग्रेस प्रेसिडेंट का दिमाग खराब हो गया है, वह पागल हो गए हैं। उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी और सोनिया गांधी को उन्हें तुरंत हटा देना चाहिए। सपकाल के बयान के विरोध में पुणे में भापजा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। नारेबाजी की, उनके पोस्टर जलाए। कांग्रेस चीफ सपकाल के खिलाफ केस भी दर्ज किया गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और "महापुरुषों का अपमान हिंदुस्तान नहीं सहेगा" जैसे नारे लगाए भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और "महापुरुषों का अपमान हिंदुस्तान नहीं सहेगा" जैसे नारे लगाए हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि मुझसे जो मूल प्रश्न पूछा गया था, मेरा वक्तव्य उसी संदर्भ में है।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

कश्मीर घाटी में 35 वर्ष बाद भी बची हुई है विषबेल

आसी गच्छीए पनुनुय पाकिस्तान, बताव रोस्तुय बतेनियन सान (हमें अपना पाकिस्तान चाहिए। कश्मीरी पंडित पुरुषों के बिना, लेकिन कश्मीरी पंडित महिलाओं के साथ)। – 20वीं शताब्दी के अंतिम दशक में कश्मीर के मुसलमानों द्वारा सार्वजनिक पर्चों में की गई घोषणा। मेरे पिता का देहांत हो गया है, हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार उनकी अस्थियां (फूल) हरिद्वार में गंगा जी में प्रवाहित करने हमें जाना है। आपसे प्रार्थना है हमें हरिद्वार यात्रा की इजाजत दें - मोहन लाल टिक्कू। उर्दू दैनिक श्रीनगर टाइम्स के 11 दिसंबर, 1990 के अंक में छपा विज्ञापन जिसमें हिंदू परिवार इस्लामी जिहादियों से हरिद्वार जाने की अनुमति मांग रहा है। कश्मीरी पंडित कायर थे, दगा दे गए, जिन्होंने अपनी मर्जी से घाटी को छोड़ा। उनको कश्मीर में नौकरियां दीं गईं, फ्लैट दिए गए, लेकिन वे काम नहीं करते, जम्मू में ऐश कर रहे हैं- शोपियां से स्वतंत्र विधायक शबीर अहमद कुले का जनवरी 2026 में न्यूज 18 पर बयान। (विवाद बढ़ने पर बयान वापस लिया) पृथ्वी पर भारत एकमात्र देश है, जहां के देशभक्त नागरिकों को 'स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्र' में राष्ट्र ध्वज के प्रति वफादारी और धर्मनिष्ठा के कारण अंतहीन अत्याचारों का शिकार होना पड़ा। अपने ही देश में निर्वासन भोगना पड़ा। कश्मीरी हिंदू अपने घर, सेब के बगीचे, खेत, अखरोट और बादाम के पेड़, सब जस के तस छोड़कर आने पर मजबूर हुए। कश्मीर के मुस्लिम नेता, उन हिंदुओं के मुस्लिम पड़ोसी, उनके मुस्लिम मित्र सब मुंह मोड़कर अपने ही रक्त बंधुओं और मां-बहनों को रोते-बिलखते जाते देखते रहे। किसी ने उनको रोका नहीं, किसी ने उनको बचाया नहीं। गिरिजा टिक्कू जैसे अनेक लोमहर्षक उदाहरण कश्मीर की खूनी वादियों में बिखरे हुए हैं। वह पति के साथ कश्मीर के बांदीपोरा नगर में एक स्कूल में प्रयोगशाला सहायिका के नाते काम करती थी। जेकेएल-एफ (जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट) के कुख्यात मुखिया यासीन मलिक के 'काफिरों घाटी छोड़ो' ऐलान के बाद गिरिजा टिक्कू सपरिवार जम्मू आ गई। कुछ दिन बाद उसको श्रीनगर से किसी ने फोन किया कि हालात सुधर गए हैं, तुम आकर अपना वेतन ले जाओ। विश्वास कर वह अपने स्कूल गई। वेतन लेकर अपनी मुस्लिम सहेली से मिलने आई और सोचा वहां से जम्मू वापस आ जाएगी। वहां उसकी सहेली और नागरिकों के सामने जेकेएलएफ के मुजाहिद गुंडों ने उसका अपहरण कर लिया। गिरिजा टिक्कू को इस्लामी दरिंदे अज्ञात स्थान पर ले गए, दुष्कर्म किया, कई दिन बाद जब उसका क्षत-विक्षत शव मिला तो पता चला उसको आरे से जिंदा काटा गया था। हजरतबल श्रीनगर इलाके से नर्स सरला भट्ट का अपहरण कर लिया गया। उसके साथ कई दिन सामूहिक दुष्कर्म हुआ। बाद में सड़क किनारे उसका शव मिला। दोनों ही मामलों में किसी के आंसू नहीं बहे, किसी ने इनको मानवाधिकार हनन का मामला नहीं माना। हिंदुओं पर अत्याचार सामान्य और रोजमर्रा की बात मानकर संविधान, सरकार, चुनाव, राजनीतिक उठापटक के दौर चलते रहे। चलती रही पत्थरबाजी, हड़तालें, खूंखार हत्यारे यासीन मलिक की शानदार दिल्ली दावतें और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ उसकी मुलाकातें! 25 जनवरी, 1998 (गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले)- कश्मीर के गांदरबल जिले के वंधमा गांव में इस्लामी आतंकवादियों ने एक हिंदू परिवार में भारतीय जवानों के वेश में आकर चाय पी और वायरलेस पर जब उनको बताया गया कि सब हिंदुओं को एकत्र कर लिया है तो उन सबको गोलियां मार दीं, जिनमें दो और चार साल के नन्हे बच्चे भी थे। इससे पहले कि पाठक कश्मीर के हिंदू नरसंहार को भूलें, उनको भारतीय वायुसेना के जांबाज अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर रविंद्र कुमार खन्ना की शोकांतिका से परिचित कराना जरूरी है अमृतसर निवासी स्क्वाड्रन लीडर खन्ना 25 जनवरी, 1990 को श्रीनगर के पास रावलपुरा बस स्टैंड पर वायुसेना बस की प्रतीक्षा कर रहे थे। उनके साथ वायुसेना के अन्य चार कार्मिक भी थे। जेकेएलएफ के आतंकवादी यासीन मलिक के नेतृत्व में वहां पहुंचे और एके47 से वायुसैनिकों पर गोलियां चला दीं। इस भयानक हत्याकांड की कांग्रेस तथा मुफ्ती-अब्दुल्ला शासनों में गवाहियां तक नहीं हुईं। यासीन इस हत्याकांड का मुख्य अभियुक्त होने के बावजूद दिल्ली आता रहा, प्रधानमंत्री से मिलता रहा। पुलवामा हमले (14 फरवरी 2019) के बाद नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा अलगाववादियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के तहत यासीन मलिक को 22 फरवरी 2019 को श्रीनगर में हिरासत में लिया गया। अप्रैल 2019 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 2017 के 'आतंकवाद को आर्थिक मदद' मामले में पूछताछ के लिए यासीन मलिक को गिरफ्तार किया और दिल्ली के तिहाड़ जेल ले आई। मई 2022 में विशेष एनआईए अदालत में यासीन मलिक ने सभी आरोपों को कबूल किया, जिसमें आतंकवादी गतिविधियां, आपराधिक साजिश और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ना शामिल था। 25 मई, 2022 को पटियाला हाउस कोर्ट ने यासीन मलिक को आतंकवाद को आर्थिक मदद मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई, लेकिन वायुसैनिकों की हत्या का मामला अभी चल रहा है और उसमें यासीन को मृत्युदंड मिलना निश्चित है। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के लौह संकल्प ने यह स्थिति कैसे बदली, स्मृतिविहीन समाज आज इसका अनुमान लगाना भी कठिन मान रहा है। हवा बदली, मौसम बदला, पत्थरबाजों का काला दौर खत्म हुआ, धारा 370 और 35ए का अंधा युग समाप्त हुआ, दो झंडों का चुभने वाला सामंती समय समाप्त हुआ, लाल चौक पर हर दिन हर क्षण

कांग्रेस पर भारी पड़ता राहुल का रवैया, बयानों में तर्क और तथ्य का अभाव

चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये के मामले में राहुल गांधी को यह भूलना नहीं चाहिए कि उसका यह रवैया कांग्रेस के शासनकाल में भी था और तब उसका सामना इतनी दृढ़ता से नहीं किया जा सका। इसका पता इससे चलता है कि संसद परिसर में उन्होंने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार दोस्त कह दिया।

संसद के बजट सत्र में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई तो राहुल गांधी ने 2020 में गलवन में चीनी सेना के साथ हुई खूनी झड़प के बहाने मोदी सरकार को घेरना आवश्यक समझा। समझना कठिन रहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने के बजाय उन्होंने चीन के साथ हुए संघर्ष और तनाव का मुद्दा क्यों उठाया? उनकी मानें तो उन्होंने इस विषय को इसलिए उठाया, क्योंकि भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कांग्रेस शासन की विफलताओं को रेखांकित किया था और आतंकवाद एवं माओवाद से निपटने में उसकी कमजोर इच्छाशक्ति का उल्लेख किया था। इसे राहुल ने कांग्रेस की देशभक्ति पर सवाल समझा और उसका जवाब देने के लिए वे गलवन संघर्ष के समय जनरल नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के एक पत्रिका में छपे अंश पढ़ने की कोशिश करने लगे। जब लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं दी तो वे जनरल नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक की कथित प्रति संसद परिसर में लहराने लगे। राहुल के हिसाब से इस पुस्तक के जो अंश एक पत्रिका में छपे हैं, उनके अनुसार गलवन की घटना के बाद जब चीनी सेना के टैंक भारत की ओर बढ़ रहे थे तो प्रधानमंत्री की ओर से उन्हें स्पष्ट निर्देश नहीं दिए गए। पता नहीं पत्रिका ने नरवणे की पुस्तक के अंशों की ऐसी व्याख्या कैसे की, क्योंकि वे यही बताते हैं कि प्रधानमंत्री ने उनसे कहा था कि जो उचित समझें, वह करें।

आखिर इसमें किसी तरह की अस्पष्टता की गुंजाइश कहां रह जाती है? ध्यान रहे कि खुद जनरल नरवणे कई बार कह चुके हैं कि भारतीय सेनाओं ने चीनी सेनाओं को सबक सिखाया। जहां तक गलवन संघर्ष को लेकर जनरल नरवणे के पुस्तक लिखने की बात है, यह अस्वाभाविक सा है कि कोई सेनाध्यक्ष हालिया सैन्य संघर्ष पर अपने संस्मरण लिखे। इसी कारण रक्षा मंत्रालय ने अभी तक उनकी पुस्तक के प्रकाशन की अनुमति नहीं दी है। इस पुस्तक में क्या लिखा है, इस पर कुछ कहना कठिन है। इस अप्रकाशित पुस्तक के अंश सार्वजनिक कैसे हुए, इसकी दिल्ली पुलिस जांच कर रही है, क्योंकि प्रकाशक का कहना है कि उसकी ओर से जनरल नरवणे की पुस्तक किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं हुई है। प्रश्न यह है कि फिर राहुल कौन सी पुस्तक लहराते घूम रहे थे? वे जो भी पुस्तक लिए घूम रहे हों, इसमें संदेह नहीं कि उनकी ओर से यह साबित करने की कोशिश हो रही कि मोदी सरकार सीमाओं की रक्षा और खासकर चीन से निपटने के मामले में कमजोर है। यह एक विडंबना ही है कि इसे प्रचारित करने का काम उस कांग्रेस के नेता कर रहे हैं, जिसका सीमाओं की रक्षा के मामले में रिकार्ड बहुत कमजोर रहा है। यह तथ्य है कि कांग्रेस शासनकाल में जहां कश्मीर के एक हिस्से पर पाकिस्तान ने कब्जा किया, वहीं चीन ने भी भारत की सैकड़ों वर्ग किमी भूमि हड़पी। यह ठीक है कि तब भारत आज जितना शक्तिशाली नहीं था, पर सब जानते हैं कि कांग्रेस की सरकारों ने बाद में भी पाकिस्तान और चीन के प्रति रक्षात्मक रवैया ही रखा। यह एक स्थापित सत्य है कि पाकिस्तान और चीन से सीमा विवाद कांग्रेस शासन की ही देन हैं। कांग्रेस सरकारों के बजाय मोदी शासन का रिकार्ड देखें तो साफ पता चलता है कि उसने पाकिस्तान से भी कड़ाई से निपटा और चीन से भी। पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर का असर किसी से छिपा नहीं। इसी तरह सब जानते हैं कि डोकलाम में भारतीय सेना ने चीनी सेना को पीछे हटने पर बाध्य किया और गलवन में संघर्ष के बाद भारत के अडिग रवैये से चीन वार्ता की मेज पर आने के लिए विवश हुआ। यह प्रश्न अपनी जगह है कि आखिर चीन से सीमा विवाद का समाधान कब होगा, लेकिन इसके आधार पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि मोदी सरकार भारत की सीमाओं की रक्षा करने में कमजोर है, लेकिन राहुल गांधी लगातार यही साबित करने पर तुले हैं। कभी वे कहते हैं कि मोदी के रहते चीन ने हमारी जमीन कब्जा ली है और कभी कहते हैं कि प्रधानमंत्री चीन से डरते हैं। चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये के मामले में राहुल गांधी को यह भूलना नहीं चाहिए कि उसका यह रवैया कांग्रेस के शासनकाल में भी था और तब उसका सामना इतनी दृढ़ता से नहीं किया जा सका। राहुल गांधी किस तरह खीझे और सत्तापक्ष से चिढ़े रहते हैं, इसका पता इससे चलता है कि संसद परिसर में उन्होंने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार दोस्त कह दिया। इसके अलावा उन्होंने उन पर यह तंज भी कसा कि अंततः उन्हें कांग्रेस में ही आना होगा। इसी तरह सदन में पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल से वे यह कह बैठे कि आप हमारी पार्टी के पूर्व सदस्य हैं और मुझे पता है कि आपका दिल हमारी तरफ है। आखिर इसे उनकी अपरिपक्वता न कहा जाए तो क्या कहा जाए? जब संसद में बजट पर चर्चा शुरू हुई, तब भी राहुल गांधी अकारण गुस्से में दिखे। उन्होंने अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार समझौते पर बिना किसी प्रमाण यहां तक कह दिया कि प्रधानमंत्री ने देश को बेचने का काम किया है। उनकी भाव भंगिमा किसी उग्र और हताश युवराज जैसी दिखती है। वे सत्तापक्ष के प्रति हिकारत अधिक दिखाते हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि वे सदन में उलटा-सीधा बोलकर चलते बनते हैं। यह उनके अहंकार को ही प्रदर्शित करता है। उनका उग्र स्वभाव न तो कांग्रेस को कोई सही संदेश देता है और न ही देश की जनता को। वे संसद में बोल रहे हों या किसी रैली में या फिर पत्रकार सम्मेलन में, उनकी उग्रता के साथ उनकी कुंठा भी झलकती है। वे एक कुंठित नेता के रूप में उभर रहे हैं। उनके तीखे-उग्र बयान चर्चा में तो आ जाते हैं, लेकिन वे किसी विमर्श का कारण नहीं बनते, क्योंकि उनमें तर्कों और तथ्यों का अभाव होता है। वैसे तो विपक्ष में रहते हुए हर दल सरकार पर आरोप लगाता है, लेकिन यदि कोई दल ऐसा करते समय तर्कों और तथ्यों की तनिक भी परवाह नहीं करता तो फिर वह अपना असर खो देता है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की आज यही स्थिति है। वह प्रभावी विपक्ष के रूप में नजर नहीं आती। इसी कारण कांग्रेस की राजनीतिक जमीन लगातार कमजोर हो रही है।

संजय गुप्त

प्रोजेक्ट कुशा की...

रामस्वरूप रावतसरे

आसमान में भारत का एयर डिफेंस सिस्टम 'स्वदेशी सुदर्शन चक्र'

भारत अपनी सीमाओं को केवल जमीन पर ही नहीं, बल्कि आसमान में भी सुरक्षित करने के लिए एक ऐसा एयर डिफेंस सिस्टम तैयार कर रहा है, जिसे पार करना किसी भी दुश्मन के लिए नामुमकिन होगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत ने अपनी रक्षा रणनीति में एक बड़ा बदलाव किया है और अब पूरा फोकस 'प्रोजेक्ट कुशा' पर है। इसे 'मिशन सुदर्शन चक्र' का नाम भी दिया जा रहा है। सरल शब्दों में कहें तो यह एक ऐसा एयर डिफेंस सिस्टम है जो ड्रोन, फाइटर जेट और मिसाइलों को आसमान में ही ढूँढकर उन्हें आग के गोले में तब्दील कर देगा। डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन) के वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि यह सिस्टम साल 2030 से भारतीय वायुसेना का हिस्सा बनना शुरू हो जाएगा। जानकारों के अनुसार प्रोजेक्ट कुशा असल में भारत का अपना स्वदेशी 'लॉन्ग रेंज एयर डिफेंस सिस्टम' (एलआरएसएएम) है। आपने रूस के प्रसिद्ध एस-400 सिस्टम के बारे में सुना होगा, प्रोजेक्ट कुशा को भारत का एस-400 ही माना जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका 'लेयर्ड डिजाइन' है। इसका मतलब है कि यह सिस्टम एक नहीं, बल्कि तीन अलग-अलग स्तरों पर सुरक्षा प्रदान करेगा। डीआरडीओ की लैब के निदेशक ए राजू के अनुसार, इस प्रोजेक्ट में तीन तरह की मिसाइलें विकसित की जा रही हैं- मार्क-1, मार्क-2 और मार्क-3। ये तीनों मिसाइलें मिलकर 60 किलोमीटर से लेकर 350-400 किलोमीटर तक के दायरे में एक अभेद्य सुरक्षा चक्र बनाएँगी। अगर कोई दुश्मन मिसाइल 350 किमी दूर है, तो उसे मार्क-3 संभाल लेगा, और अगर कोई खतरा पास आ गया है, तो मार्क-1 और मार्क-2 उसे खत्म कर देंगे। प्रोजेक्ट कुशा की ये तीन मिसाइलें भारत की इंटरसेप्शन क्षमता (दुश्मन को बीच में ही रोकने की शक्ति) को नई ऊँचाइयों पर ले जाएँगी। रिपोर्ट के अनुसार, मार्क-1 (एम1) मिसाइल की मारक क्षमता लगभग 150 किलोमीटर तक होगी। यह उन खतरों के लिए है जो मध्यम दूरी तक पहुँच चुके हैं। इसके बाद आती है मार्क-2 (एम2), जिसकी रेंज 250 किलोमीटर तय की गई है। सबसे खतरनाक है मार्क-3 (एम3), जो भारत की इंटरसेप्शन पावर को 350 से 400 किलोमीटर तक पहुँचा देगी। बताया जा रहा है कि यह सिस्टम इतना एडवांस होगा कि यह न केवल फाइटर जेट्स, बल्कि क्रूज मिसाइलों और 'हाई-वैल्यू' हवाई खतरों (जैसे दुश्मन के जासूसी विमान) को भी पलक झपकते ही पहचान लेगा। वायुसेना की योजना इसके 10 स्क्वाड्रन खरीदने की है, जो अगले दशक में भारत की हवाई सुरक्षा का मुख्य स्तंभ बनेंगे। भारत अब तक लंबी दूरी के एयर डिफेंस के लिए रूस या अन्य देशों पर निर्भर रहता था। एस-400 का आना एक बड़ी बात थी, लेकिन प्रोजेक्ट कुशा भारत को इस मामले में 'आत्मनिर्भर' बना देगा। 'मिशन सुदर्शन चक्र' के तहत भारतीय वैज्ञानिक मिसाइल गाइडेंस, सीकर तकनीक (जो मिसाइल को रास्ता दिखाती है) और प्रोपल्शन सिस्टम जैसी जटिल तकनीकों को खुद भारत में ही विकसित कर रहे हैं। जब यह सिस्टम पूरी तरह तैयार हो जाएगा, तो यह भारत के मौजूदा सिस्टम जैसे 'आकाश' (जो कम दूरी के लिए है) और एस-400 (जो बहुत लंबी दूरी के लिए है) के बीच के खाली स्थान को भर देगा। आकाश, कुशा और एस-400 मिलकर एक ऐसी 'मल्टी-लेयर' सुरक्षा बनाएँगे कि दुश्मन का एक परिंदा भी भारतीय वायुक्षेत्र में पर नहीं मार सकेगा। इसे 2035 तक पूरी तरह से तैनात करने का लक्ष्य रखा गया है। बताया जा रहा है कि प्रोजेक्ट कुशा अब केवल कागजों पर नहीं है, बल्कि यह डेवलपमेंटल ट्रायल के अहम फेज में प्रवेश कर रहा है। इसका मतलब है कि अब इन मिसाइलों के वास्तविक परीक्षण शुरू होने वाले हैं। पहले डीआरडीओ इसके तकनीकी ट्रायल करेगा, जिसमें देखा जाएगा कि मिसाइल का इंजन और रडार सही काम कर रहे हैं या नहीं। इसके बाद भारतीय वायुसेना के साथ 'यूजर ट्रायल' होंगे। जानकारों के अनुसार रणनीतिक दृष्टि से यह प्रोजेक्ट भारत की स्थिति को दुनिया के उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा कर देगा, जिनके पास अपना खुद का मल्टी-लेयर्ड एयर डिफेंस नेटवर्क है। इससे न केवल हमारी हवाई सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि युद्ध के समय हमारे रणनीतिक ठिकानों (जैसे परमाणु प्लांट, बड़े शहर और सैन्य बेस) को किसी भी तरह के एरियल थ्रेट से सुरक्षा की गारंटी मिलेगी। इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी जीत इसकी स्वदेशी तकनीक है। जब हम विदेशी सिस्टम खरीदते हैं, तो उनकी मरम्मत और पार्ट्स के लिए हमें दूसरे देशों की शर्तों पर निर्भर रहना पड़ता है। लेकिन 'प्रोजेक्ट कुशा' या 'सुदर्शन चक्र' पूरी तरह हमारा अपना होगा। यह भारत के वैज्ञानिकों की काबिलियत का प्रमाण है।

यह भाजपा...

विनय कुमार मिश्र

आखिर भाजपा के पतन की पटकथा कौन लिख रहा है ?

कहां जाता है कि लोकतंत्र में सत्ता का हस्तांतरण जरूरी होता है नहीं तो सत्ताधारी निरंकुश हो जाता है। यहीं सवाल लोग भाजपा पर कर रहे हैं। तर्क में यूजीसी गिना रहे हैं। आखिर भाजपा इतनी बड़ी चूक कैसे करने जा रहीं थीं। कुछ विपक्षी निरंकुश बता रहे हैं तो कुछ अति बता रहे हैं लेकिन एक बात जो है वह यह है कि यूजीसी ने भाजपा का बड़ा नुक़सान किया। यह सौ आने सत्य है। ऐसा लग रहा है कि लगातार सत्ता में बनी हुईं भाजपा किसी मुगालते में जी रही है कि आखिर सवर्ण जायेंगे कहां। थक हार कर हमारे ही रहेंगे और वोट देंगे।अगर भाजपा ऐसा नहीं सोच रही थीं तो फिर यूजीसी में इतनी गंभीर खामियां क्यों कर दीं। पूर्व के सभी आंदोलनों को एक तरफ रख दिया जाय और यूजीसी को लेकर सवर्णों के क्रोध को देखा जाय तो सबसे बड़ा नुक़सान यूजीसी से भाजपा को हुआ है। इसकी भरपाई आखिर भाजपा कैसे करेगी । एक तरफ एसआ-ईआर में गंभीर खामियां, फिर यूजीसी में गंभीर चूक। कोई भाजपा के पतन की पटकथा लिख रहा है क्या ? एक पर एक गंभीर चूक होती जा रही है । इसके नजदीकी चुनाव में दुष्परिणाम भी भुगतने पड़ सकते हैं। बच्चा-बच्चा जानता है कि सवर्ण भाजपा का वोट बैंक है और ऐसा मजबूत वोट बैंक जिसे कोई बहला फुसला नहीं सकता । यह भाजपा के दुख , संघर्ष में हमेशा काम आया है लेकिन जहां फायदे की बात आती है, इसे अलग कर दिया जाता है। और तो और, सवर्ण को ही हमेशा हाशिये पर रख दिया जाता है. आखिर क्यों ? यूजीसी में भी यहीं हाल है । क्या जातियां जातियों का शोषण नहीं करती हैं । कहा जाता है कि बड़ी मछली छोटी मछली को खा जाती है। उसके लिए इस यूजीसी में कोई कानून क्यों नहीं बना। हर तरफ , हर समय , हर जगह , केवल सवर्ण ही दिखता है शोषण करने वाला । आज सवर्णों की दिन दशा

मालूम नहीं है क्या ? आज जितना शोषित सवर्ण है, उतना शोषित कोई नहीं है । सवर्ण को भाजपा पर बहुत विश्वास और आशा थीं । इस आशा और विश्वास को भाजपा के किसी विभीषण ने खत्म कर भाजपा के पतन की पटकथा लिख दी है । यह सब देखकर यही लगता है कि भाजपा में कोई ऐसा है जो भाजपा को अंदर खाने चित करने में लगा हुआ है। आप अपने पैर पर अपने ही कुल्हाड़ी मार रहे हैं । आखिर क्या कर रहे हैं इतिहास गवाह है कि जिसने भी सवर्णों के साथ गद्दारी की, आज वह सत्ता से कोसों दूर हैं और आज खुले आम मंच पर सवर्णों को लुभा रहे हैं । आप भी तो इन्हीं रास्तों पर चलने की तैयारी कर रहे हैं क्या। कहीं आप अति विश्वास के शिकार तो नहीं हो रहे हैं । याद रखिए अति हर चीज की खराब होती है। आप सबका साथ , सबका विकास का नारा दिए थे लेकिन यूजीसी से सवर्णों के विनाश की नींव रख रहे थे । समानता रख कर इसका समाधान किया जा सकता था। सभी को प्रतिनिधित्व दिया जा सकता था। कोई गलत कर रहा था तो सजा का हकदार था। बहुत कुछ ऐसा था जिसे आप सुधार कर समानता ला सकते थे और वाहवाही बटोर सकते थे लेकिन आपने अपने पैर पर अपने ही कुल्हाड़ी मार ली। जिस जातिवाद से लोग निजात पाना चाह रहे हैं, वहीं फिर से आपने जातिवाद का बीज बो कर विद्वेष और वैमनस्यता फैला दी ।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

राजेश जैन

युवाओं में डिजिटल लतः अगर अब भी नहीं चेते, तो बहुत देर हो जाएगी

भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। देश की लगभग दो-तिहाई आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। यही युवा भारत की आर्थिक वृद्धि, सामाजिक बदलाव और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की असली ताकत हैं लेकिन यही पीढ़ी आज एक ऐसे संकट की गिरफ्त में है, जो दिखता कम है और असर गहरा करता है- डिजिटल लत। इकोनॉमिक सर्वे 2025–26 ने पहली बार इस समस्या को सिर्फ़ सामाजिक नहीं, बल्कि आर्थिक खतरे के रूप में रेखांकित किया है। सर्वे बच्चों और युवाओं के 5 से 10 घंटे तक के स्क्रीन टाइम पर गंभीर चिंता जताता है और साफ़ कहता है कि अगर यह प्रवृत्ति यूं ही बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में इसका असर जीडीपी पर भी दिख सकता है। यही वजह है कि रिपोर्ट में छात्रों को साधारण फोन देने, सोशल मीडिया के लिए उम्र-सीमा तय करने और उम्र आधारित डिजिटल एक्सेस पॉलिसी बनाने जैसी बड़ी सिफारिशें की गई हैं। सर्वे का आकलन साफ़ है—छोटे बच्चे और किशोर इस लत के सबसे आसान शिकार हैं। वे जल्दी फंसते हैं, गलत कंटेंट तक पहुंच जाते हैं और धीरे-धीरे स्क्रीन पर निर्भर हो जाते हैं। इसलिए ज़रूरी है कि ऐप्स और प्लेटफॉर्म्स पर उम्र के हिसाब से पाबंदियां हों, ऑनलाइन कंपनियों को उम्र सत्यापन और बच्चों के लिए सुरक्षित सेटिंग्स की कानूनी ज़िम्मेदारी दी जाए और खासकर सोशल मीडिया, जुए से जुड़े ऐप्स, ऑटो-प्ले वीडियो और आक्रामक विज्ञापनों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। यह चेतावनी हल्के में लेने लायक नहीं है। पिछले एक दशक में भारत ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में ऐतिहासिक छलांग लगाई है। इंटरनेट कनेक्शन 25 करोड़ से बढ़कर करीब 97 करोड़ हो चुके हैं। 5जी नेटवर्क, भारतनेट और सस्ते डेटा ने गांव-गांव तक डिजिटल सेवाएं पहुंचा दी हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान राष्ट्रीय आय में 13 प्रतिशत से ज्यादा होने का अनुमान है और लगभग 85 प्रतिशत घरों में कम से कम एक स्मार्टफोन मौजूद है। यह उपलब्धि है लेकिन इसके समानांतर स्क्रीन टाइम भी विस्फोटक रफ्तार से बढ़ा है। करोड़ों युवा दिन का बड़ा हिस्सा मोबाइल पर बिताते हैं-ओटीटी, सोशल मीडिया और गेमिंग के बीच झूलते हुए। यहीं से सुविधा आदत बनती है और आदत कब लत बन जाती है, पता ही नहीं चलता। इकोनॉमिक सर्वे डिजिटल लत को स्मार्टफोन, इंटरनेट, गेमिंग और सोशल मीडिया से जुड़ा नशे जैसा व्यवहार बताता है जहां व्यक्ति लगातार, अत्यधिक और जुनूनी ढंग से स्क्रीन से जुड़ा रहता है। इसके नतीजे साफ़ दिख रहे हैं: ध्यान भटकना, नींद की कमी, चिड़चिड़ापन, पढ़ाई और काम में गिरावट, सामाजिक अलगाव और भावनात्मक अस्थिरता। सबसे चिंताजनक असर 15 से 24 वर्ष के युवाओं में देखा जा रहा है। सोशल मीडिया एडिक्शन, गेमिंग डिसऑर्डर, चिंता और अवसाद के मामले तेजी से बढ़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही गेमिंग डिसऑर्डर को मानसिक बीमारी के रूप में मान्यता दे चुका है। यह साफ़ संकेत है कि मामला अब व्यक्तिगत आदतों तक सीमित नहीं रहा-यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। डिजिटल लत का पहला शिकार शिक्षा व्यवस्था बन रही है। रील संस्कृति और शॉर्ट वीडियो ने युवाओं की गहन अध्ययन क्षमता को खोखला कर दिया है। लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करने की आदत टूट रही है। शिक्षक बताते हैं कि छात्र किताबों से ज़्यादा स्क्रीन पर निर्भर हो गए हैं। असाइनमेंट कॉपी-पेस्ट हो रहे हैं, आलोचनात्मक सोच घट रही है। यह असर केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित नहीं रहेगा। अत्यधिक डिजिटल निर्भरता से काम की उत्पादकता घटेगी, स्वास्थ्य खर्च बढ़ेगा और जोखिम भरे ऑनलाइन व्यवहार से आर्थिक नुकसान होगा। सवाल सीधा है-अगर युवा मानसिक रूप से थके और असंतुलित होंगे, तो देश की कार्यक्षमता कैसे बचेगी? दुनिया के कई देश इस चुनौती को गंभीरता से ले चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर रोक लगाई है। चीन ने बच्चों के गेमिंग समय को सीमित किया है। इंग्लैंड स्कूलों के लिए डिजिटल रेजिलिएंस फ्रेमवर्क बना रहा है और सिंगपुर मीडिया साक्षरता व साइबर वेलनेस को राष्ट्रीय प्राथमिकता दे चुका है। इन सभी प्रयासों का सार यही है कि तकनीक को हटाया नहीं जा सकता, लेकिन उसके उपयोग को दिशा दी जा सकती है। भारत में भी पहल शुरू हुई है। सीबीएसई के सुरक्षित इंटरनेट दिशानिर्देश, प्रज्ञाता फ्रेमवर्क, टेली मानस हेल्पलाइन और कुछ राज्यों की डिजिटल डी-एडिक्शन योजनाएं स्वागतयोग्य हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि ये प्रयास बिखरे हुए हैं। डिजिटल लत पर कोई समग्र राष्ट्रीय डेटा नहीं है। स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य काउंसलर लगभग न के बराबर हैं। शिक्षक और अभिभावक दोनों ही इस नई चुनौती के लिए पर्याप्त रूप से तैयार नहीं हैं। समस्या राष्ट्रीय है, लेकिन जवाब अब भी टुकड़ों में बंटा हुआ है। अब वक्त आ गया है कि भारत डिजिटल सुविधा के साथ-साथ डिजिटल स्वास्थ्य को भी नीति के केंद्र में रखे। एक प्रभावी राष्ट्रीय डिजिटल वेलनेस नीति में स्कूल पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता और मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा, हर जिले में डिजिटल लत काउंसलिंग केंद्र, उम्र के अनुसार स्क्रीन टाइम गाइडलाइन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के एल्गोरिदम पर जवाबदेही, अभिभावकों के लिए बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान और बच्चों-युवाओं को स्क्रीन से बाहर लाने के लिए खेल व सामुदायिक गतिविधियों को बढ़ावा जैसे कदम शामिल होने चाहिए। आख़िरकार बात इतनी बड़ी है-अगर युवा ध्यान खो देंगे तो देश दिशा खो देगा। डिजिटल तकनीक भारत की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। लेकिन मानवीय संतुलन के बिना यही ताकत अगली पीढ़ी की कमजोरी बन सकती है। इकोनॉमिक सर्वे की चेतावनी हमें अभी सोचने का मौका दे रही है।

धोनी की कप्तानी खत्म करने का फैसला बीसीसीआई का था

चयनकर्ताओं ने कहा-अब बदलाव का समय, धोनी ने खुद लिखा, मैं पद छोड़ना चाहता हूं

नई दिल्ली, एजेंसी

महेंद्र सिंह धोनी ने साल 2017 में टी-20 और वनडे की कप्तानी खुद नहीं छोड़ा था, बल्कि सिलेक्शन कमेटी ने उन्हें कप्तानी छोड़ने का सुझाव दिया था। चयनकर्ताओं ने धोनी से यह भी कहा था कि वे लिखित में मेल में अपना इस्तीफा दें ताकि ट्रांजिशन को औपचारिक रूप दिया जा सके। पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे ने 'द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो' में बताया कि उस समय के मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने धोनी से इस विषय पर बातचीत की थी। धोनी ने 2014 में टेस्ट कप्तानी

पहले ही छोड़ दी थी, लेकिन 2017 वह साल था जब विराट कोहली को तीनों फॉर्मेट की कमान सौंपी गई थी पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे ने 'द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो' में बताया कि वह और उस समय के मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे धोनी से मिलने पहुंचे। उन्होंने सम्मान के साथ कहा कि अब बदलाव का समय आ गया है।

■ 4 जनवरी 2017 को एमएस धोनी ने वनडे और टी20 कप्तानी छोड़ दी थी।

धोनी सभी आईसीसी खिताब हासिल कर चुके थे

उस समय धोनी 35 साल के थे। वह 2007 का पहला टी20 वर्ल्ड कप, 2011 का वनडे वर्ल्ड कप और 2013 की चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर सभी आईसीसी खिताब हासिल कर चुके थे।

66 परांजपे ने यह भी बताया कि धोनी ने विराट कोहली को पूरा समर्थन देने का भरोसा दिया था। उन्होंने कहा, चिंता मत करो। मैं विराट के साथ पूरी तरह काम करूंगा। वह मेरे भाई जैसा है। मैं उसके लिए जो भी जरूरी होगा, करूंगा। मेरा जितना भी अनुभव है, मैं उसे दूंगा। और हम एक अच्छी टीम बनाएंगे।

विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स, भारत ने पाकिस्तान को हराया

आठ विकेट से जीता मैच, 94 रन का टारगेट 11वें ओवर में चेज किया

मुंबई, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान के महामुकाबले से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम (भारत-ए) ने पाकिस्तान को हरा दिया है। ACC विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 के छठे मैच में भारत-ए ने पाकिस्तान-ए को 8 विकेट से मात दी। रविवार को बैंकॉक के तेर्दथाई क्रिकेट ग्राउंड में पाकिस्तान-ए ने भारत-ए को जीत के लिए 94 रनों का टारगेट दिया था। इस टारगेट को भारत-ए ने 10.1 ओवर में ही आसानी से हासिल कर लिया। पाकिस्तान-ए के खिलाफ रन चेज में भारत-ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पारी की पहली ही गेंद पर हुमैरा काजी का विकेट गंवा दिया। हुमैरा को वहीदा अख्तर ने नेहा शर्मिन के हाथों कैच कराया। इसके बाद वृंदा दिनेश और अनुष्का शर्मा ने

66 मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तानी टीम ने 18.5 ओवरों में 93 रन बनाए। टीम ने इस मुकाबले में शुरुआती ओवर से ही विकेट गंवाए। शवाल जुल्फिकार (23), गुल रुख (21) और अनोशा नासिर (17) ही दोहरे अंकों तक पहुंचने में कामयाब रहीं। भारत की ओर से कप्तान राधा यादव, प्रेमा रावत और साइमा ठाकोर ने दो-दो विकेट झटके। जिंतिमनी कलिता और मिन्नू मणि को एक-एक विकेट मिला।

दूसरे विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम को जीत के करीब पहुंचाया। अनुष्का ने चार चौके की मदद से 26 बॉल पर 24 रन बनाए। अनुष्का को मोमिना रियासत ने आउट किया। वहीं ओपनर वृंदा दिनेश ने सिर्फ 29 गेंदों पर नाबाद 55 रन की पारी खेली, जिसमें 12 चौके शामिल रहे।

फास्ट न्यूज

रमजान से पहले दुबई पहुंच रहे पाकिस्तान के भिखारी

दुबई। रमजान से पहले दुबई में विदेशी, खासतौर पर पाकिस्तानी भिखारियों की आमद के चलते पुलिस ने बड़े पैमाने पर धर-पकड़ शुरू कर दी है। इस अभियान के दौरान एक ऐसे भिखारी को पकड़ा गया है जो लाखों की संपत्ति के अलावा 3 लग्जरी कारों का मालिक है। संदिग्ध और आपराधिक घटना विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर अली सलेम अल शम्सी के अनुसार, ये धोखेबाज जनता की उदारता का फायदा उठाकर पैसे कमाते हैं।

शख्स ने खड़ी की बिना इंसानों वाली कंपनी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वजह से दुनियाभर में लाखों लोगों की नौकरियां प्रभावित हो रही हैं। कई कंपनियां एआई के वजह से कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं। इसी बीच एक ऐसी कंपनी की चर्चा शुरू हो गई है, जिसमें काम तो होता है लेकिन उसे करने वाले इंसान नहीं हैं। इस कंपनी में HR से लेकर लीगल एमप्लॉई तक किसी भी काम के लिए इंसान को हायर नहीं किया गया है। एआई के वजह से आज बड़ी-छोटी सभी तरह की टेक कंपनियां कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं। एआई ने उन कामों को आसान कर दिया है जिसके लिए पहले ज्यादा कर्मचारियों को रखने की जरूरत पड़ती थी। इसने न केवल काम के रफ्तार को कई गुना बढ़ा दिया है, बल्कि कंपनियों का खर्च भी बचा रहा है। फ्लोरिडा के एक डिफेंस-टेक एंटरप्रेनर हारून स्नीड ने एक कदम आगे बढ़कर पूरी वर्कफोर्स ही बदल दी है।

लॉरेंस जी, अपने बंदे तंग मत करो : निहंग रसूलपुर

जालंधर। पंजाब के रोपड़ के रहने वाले निहंग सिंह हरजीत सिंह रसूलपुर ने गैंगस्टर लॉरेंस की तरीफ की है। विवादों में रहने वाले रसूलपुर ने गैंगस्टर लॉरेंस को जी कहकर बुलाया। निहंग सिंह रसूलपुर ने इसका वीडियो भी जारी किया है। रसूलपुर ने पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी और लॉरेंस के विवाद में कहा कि एक पाकिस्तानी इंडियन को कैसे धमका सकता है। रसूलपुर ने कहा कि लॉरेंस ने एक गोली चलाई तो कितनी दिनों तक शहजाद भट्टी को नींद नहीं आई।

मुंबई मेट्रो पिलर हादसे पर भड़के सेलेब्स

दीया मिर्जा बोलीं- उस इंफ्रास्ट्रक्चर को सपोर्ट करते हैं, जो जान लेता है

मुंबई, एजेंसी

मुंबई के मुलुंड इलाके में निर्माणाधीन मेट्रोल लाइन के पिलर के स्लैब के गिरने से बड़ा हादसा हो गया। स्लैब ऑटो रिक्शा और स्कोडा कार पर गिरा, जिससे एक शख्स की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हैं। हादसे की खबर मिलने के बाद कई सेलेब्स भड़क गए हैं और प्रशासन को इसका जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। दीया मिर्जा ने हादसे पर भड़कते हुए आधिकारिक X (पहले ट्विटर) पर लिखा है, आप किस तरह के इंफ्रास्ट्रक्चर का सपोर्ट करते हैं? क्या वह, जो लोगों को मारता है, दम घोंटता है और स्वास्थ्य व जीवन को नष्ट करता है? या वह, जो जीवन की परवाह करता है और उसे महत्व देता है? स्टैंडअप कॉमेडियन और राइटर वरुण ग्रोवर ने भी हादसे की कड़ी निंदा की है। उन्होंने हादसे का

वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, मुंबई भारत का सबसे भ्रष्ट शहर है, शायद बहुत बड़े अंतर से। भारत की आर्थिक राजधानी होने के बावजूद, यहां की सड़कें सबसे खराब हैं (पिछले 2 सालों में मैंने लगभग हर भारतीय राज्य के गांवों की सड़कें देखी हैं और वे इससे बेहतर हैं), शहरी योजना बेहद खराब है, और मानव जीवन के प्रति पूरी तरह से लापरवाही दिखाई देती है।

जानकारी साझा कर अफवाहों से सतर्क रहने और सुरक्षा बरतने की अपील

सारा अर्जुन ने अपने फैंस को दी 'महाशिवरात्रि' की बधाई

मुंबई, एजेंसी

फिल्म 'धुरंधर' में सारा अर्जुन के अभिनय को खूब सराहा गया। वहीं उनके फैंस अब फिल्म 'धुरंधर 2' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच सारा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के बारे में एक अहम सूचना जारी करते हुए सभी को सतर्क रहने की हिदायत दी है। जानिए क्या? सारा अर्जुन ने आज इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक खास सूचना दी है। सारा ने बताया है कि वह ट्विटर पर नहीं हैं। सारा ने लिखा, 'मैं बस कुछ जरूरी बातें शेयर करना चाहती हूं। मैं ट्विटर पर नहीं हूं।' सारा ने आगे यह भी बताया कि ट्विटर प्लेटफॉर्म पर उनका कोई ऑफिशियल अकाउंट नहीं है। इसके साथ ही सारा ने न्यूज चैनल्स को सतर्क रहने की भी

सलाह दी है। सारा ने लिखा, '(न्यूज चैनल) अगर आपको मेरे नाम से किसी हैंडल से कोई ट्वीट या बयान दिखे, तो प्लीज जान लें कि वह मैं नहीं हूं और वह किसी भी तरह से मुझसे जुड़ा नहीं है।' आगे सारा ने लिखा की उन्हें समझने के लिए धन्यवाद।

सारा अर्जुन ने साफ शब्दों में बताया कि वह ट्विटर (अब एक्स) पर मौजूद नहीं हैं। उन्होंने लिखा, "मैं बस कुछ जरूरी बातें शेयर करना चाहती हूं। मैं ट्विटर पर नहीं हूं।"

सारा ने फैंस को दी महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं

'धुरंधर' अभिनेत्री सारा अर्जुन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने सभी फैंस को महाशिवरात्रि की शुभमानाएं देते हुए लिखा, 'आप सभी को गुड मॉर्निंग और सभी को महाशुवरात्रि की शुभकामनाएं।' इस पोस्ट के साथ सारा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल को लेकर भी अहम सूचना जारी की है।

कब रिलीज होगी 'धुरंधर 2'

'धुरंधर 2' (Dhurandhar 2: The Revenge) आदित्य धर द्वारा निर्देशित एक स्पाई-थ्रिलर फिल्म है। यह 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह 2025 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' का सीक्वल है। इसमें रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के अलावा कई कलाकारों ने मुख्य भूमिका निभाई है। इसी दिन कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' भी रिलीज होगी।

ओ रोमियो ने दो दिनों में कमाए 23.51 करोड़

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 14.50 करोड़, वीकेंड का फायदा मिला, 43 प्रतिशत उछाल मिली

नई दिल्ली, एजेंसी

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म ओ रोमियो ने दो दिनों में 23.51 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है। फिल्म ने 9 करोड़ रुपए का ओपनिंग कलेक्शन किया था, जिसके बाद अब फिल्म को वीकेंड का फायदा मिला है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर वेबसाइड सैकनिल्क के मुताबिक, 13 फरवरी को रिलीज हुई फिल्म ओ रोमियो ने 9 करोड़ का कलेक्शन किया था, जिसके बाद शनिवार को फिल्म ने 14.50 करोड़ के लगभग कमाई की है। इसी के साथ फिल्म ने कुल 23.51 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है। फिल्म ओ रोमियो को विशाल भारद्वाज ने डायरेक्ट किया है।

मर्दानी 3 ने 16वें दिन कमाए 1.65 करोड़

ओ रोमियो के साथ ही रानी मुखर्जी स्टारर फिल्म मर्दानी 3 भी सिनेमाघरों में है। 30 जनवरी को रिलीज हुई इस फिल्म ने रिलीज के 16वें दिन यानी तीसरे शनिवार को 1.65 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ फिल्म का कुल कलेक्शन 43.15 करोड़ रुपए हो चुका है। इस फिल्म से पहले 23 जनवरी को सनी देओल की मल्टीस्टारर फिल्म बॉर्डर 2 रिलीज हुई थी। बॉर्डर ने बॉक्स ऑफिस में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रिलीज के 23वें दिन यानी इस शनिवार 1.90 करोड़ का कलेक्शन किया है।

वीकेंड का मिला फायदा, 45 पर्सेंट की उलाछ मिली

ओपनिंग डे के मुकाबले फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में 45 प्रतिशत का उछाल देखने मिला है। फिल्म देशभर में 4700 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज हुई है। फिल्म की ऑक्यूपेंसी लगभग 19.3 प्रतिशत है। अनुमान है कि शनिवार की ही तरह रविवार को भी फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

इंडिगो 1,000 से ज्यादा पायलट की भर्ती करेगी

दिसंबर में क्रू की कमी से 5,000 उड़ानें रद्द हुई थीं

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो बड़े पैमाने पर पायलटों की भर्ती करने की तैयारी में है। कंपनी 1,000 से ज्यादा पायलट नियुक्त करेगी। यह भारतीय विमानन क्षेत्र में किसी भी एयरलाइन द्वारा की जाने वाली सबसे बड़ी भर्ती मुहिम में से एक है। यह फैसला पिछले साल दिसंबर में आई परिचालन संबंधी दिक्कतों के बाद लिया गया है, जब क्रू की कमी के कारण महज 7 दिनों में 5,000 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इंडिगो की इस भर्ती प्रक्रिया में ट्रेनी फर्स्ट ऑफिसर, सीनियर फर्स्ट ऑफिसर और कैप्टन के पद शामिल हैं। कंपनी अपने विस्तार और रेगुलेटरी जरूरतों को पूरा करने के लिए यह कदम उठा रही है। इंडिगो हर महीने बेड़े में 4 नए विमान जोड़ेगी। इन्हें उड़ाने के लिए नए पायलटों की जरूरत है। कंपनी हर महीने 20 से 25 फर्स्ट

ऑफिसर को प्रमोट कर कैप्टन बना रही है। एक ट्रेनी ऑफिसर को तैयार होने में 6 माह लगते हैं। कैप्टन बनने के लिए 1,500 घंटे उड़ान का अनुभव जरूरी है। कंपनी इन मानकों को सख्त कर रही है। नियमों के मुताबिक, हर विमान के लिए पायलटों के तीन सेट (एक कैप्टन और एक फर्स्ट ऑफिसर) होना जरूरी है। लेकिन इंडिगो के विमानों का इस्तेमाल बहुत ज्यादा होता है, इसलिए उसे मानक से दोगुने पायलटों की जरूरत पड़ती है। जांच में पाया गया था कि कंपनी को 2,422 कैप्टन की जरूरत थी।

समझौता : उप विदेश मंत्री बोले- ट्रम्प प्रतिबंध हटाएं तो डील संभव, बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट पर विवाद अटका

अमेरिका से परमाणु समझौते पर बातचीत के लिए ईरान तैयार

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी

ईरान ने अमेरिका के साथ परमाणु समझौते को लेकर बातचीत करने की इच्छा जताई है। ईरान के उप विदेश मंत्री मजीद तख्त-रवांची ने BBC को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर अमेरिका प्रतिबंध हटाने पर बात करने को तैयार है, तो हम अपने परमाणु कार्यक्रम से जुड़े कई मुद्दों पर समझौता करने के लिए तैयार है। दोनों देशों के बीच बातचीत का अगला दौर मंगलवार को जिनेवा में होने वाला है। वहीं अमेरिकी अधिकारी बार-बार कहते रहे हैं कि परमाणु वार्ता में प्रगति रुकने की वजह ईरान है, न कि अमेरिका। हालांकि, तख्त-रवांची ने दोहराया कि ईरान अपने बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट पर अमेरिका से बातचीत नहीं करेगा। यह मुद्दा इजराइल और अमेरिका दोनों उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब हम पर इजराइल और अमेरिका ने हमला किया तो हमारी मिसाइलों ने हमारी रक्षा की। हम अपनी

रक्षात्मक क्षमता से खुद को कैसे वंचित कर सकते हैं?' ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु समझौता एक लंबे समय से चल रही विवादास्पद बातचीत है, जिसका मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना है। जिससे वह परमाणु हथियार न बना सके। मजीद तख्त-रवांची ने कहा कि ईरान ने 60% तक इंरिच्ड यूरेनियम को कम करने का प्रस्ताव दिया है। यह स्तर हथियार-ग्रेड के करीब माना जाता है और इसी वजह से दूसरे देशों को शक है कि ईरान परमाणु हथियार बना रहा है। हालांकि ईरान लगातार इससे इनकार करता रहा है। उन्होंने कहा, 'हम अपने परमाणु कार्यक्रम से जुड़े अन्य मुद्दों पर बात करने को तैयार हैं, बशर्ते वे प्रतिबंधों पर चर्चा करें।' उन्होंने यह साफ नहीं किया कि प्रतिबंध पूरी तरह हटाने की बात है या आंशिक रूप से।

अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- ईरान के साथ डील करना बहुत मुश्किल

दूसरी ओर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प समझौता चाहते हैं, लेकिन ईरान के साथ डील करना बहुत मुश्किल है। ट्रम्प ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने पर समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई कर सकता है। इसके साथ ही अमेरिका ने क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी भी बढ़ाई है।

ईरान के पास इंरिच्ड यूरेनियम का भंडार है

ईरान के पास 400 किलो से ज्यादा उच्च स्तर पर इंरिच्ड यूरेनियम का भंडार है। 2015 के परमाणु समझौते के तहत उसने अपना यूरेनियम रूस भेजा था। इस बार क्या वह ऐसा करेगा, इस पर तख्त-रवांची ने कहा कि अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। रूस ने दोबारा यह सामग्री स्वीकार करने की पेशकश की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेहरान अस्थायी रूप से यूरेनियम इंरिचमेंट रोकने का प्रस्ताव भी दे चुका है।

सीनियर सिटीजंस स्कीम में हर महीने ₹20,500 तक की कमाई

नई दिल्ली। अगर आप सीनियर सिटीजन हैं और अपने लिए हर महीने इनकम का इंतजाम करना चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटीजंस सेविंग्स स्कीम अकाउंट (SCSS) आपके लिए सही रहेगा। इस स्कीम में एक मुश्त पैसा लगाकर आप अपने लिए रिटायमेंट के बाद भी रेगुलर इनकम का इंतजाम कर सकते हैं। अभी इस पर 8.2% सालाना ब्याज मिल रहा है। इस स्कीम में हर 3 महीने में ब्याज दिया जाता है। यानी 3 महीने में अधिकतम 61,500 रुपए तक का ब्याज आप हासिल कर सकते हैं, जो मंथली बेसिस पर 20,500 रुपए होगा। पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटीजंस सेविंग्स स्कीम में सिर्फ 1000 रुपए में अकाउंट खोला जा सकता है। इस स्कीम में ज्यादा से ज्यादा 30 लाख रुपए तक निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम पर 8.2% सालाना ब्याज मिल रहा है। अगर आप इसमें 30 लाख रुपए तक निवेश करते हैं तो आपको 8.2% के हिसाब से सालाना 2,46,000 रुपए ब्याज मिलेगा। चूंकि इस योजना के तहत ब्याज तिमाही आधार पर मिलता है।

बीएलए का दावा : 17 पाकिस्तानी सैनिकों को हिरासत में लिया

10 रिहा किए, 7 अभी भी कैद में, अदला-बदली के लिए 7 दिन की मोहलत

इस्लामाबाद, एजेंसी

बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) ने रविवार को दावा किया कि उसने 17 पाकिस्तानी सैनिकों को हिरासत में लिया है। इनमें से 10 को छोड़ दिया गया है, जबकि बाकी 7 को कैद कर लिया है। इनके बदले बलूच लड़ाकों की रिहाई के लिए पाकिस्तान सरकार को एक हफ्ते की मोहलत दी गई है। यह दावा BLA की मीडिया विंग 'हक्काल' के नाम से जारी एक कथित बयान में किया गया है। पाकिस्तान की सेना या सरकार की ओर से इस पर तुरंत कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। BLA के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने बयान में इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' का दूसरा चरण बताया है। BLA के मुताबिक, जिन 10 लोगों को छोड़ा गया है वे बलूच हैं और स्थानीय पुलिस से जुड़े थे। बयान में कहा गया कि उन्हें चेतावनी देकर रिहा किया गया है। BLA ने कहा

कि बाकी 7 बंदी पाकिस्तान सेना की नियमित यूनिटों के सदस्य हैं। बयान के अनुसार, उन्हें एक कथित 'बलूच नेशनल कोर्ट' में पेश किया गया। यहां उन पर आम नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई, जबरन गुमशुदगी में मदद और बलूच लोगों के खिलाफ नरसंहार में शामिल होने जैसे आरोप लगाए गए। BLA ने दावा किया कि सुनवाई के दौरान आरोपियों को जवाब देने का मौका दिया गया, सबूत पेश किए गए और बयान दर्ज किए गए। इसके बाद उन्हें दोषी ठहराया गया। BLA ने कहा कि दोषी ठहराए जाने के बावजूद इस्लामाबाद को 7 दिन का समय दिया जा रहा है, ताकि वह औपचारिक रूप से कैदी अदला-बदली की इच्छा जताए। BLA ने 25-26 अगस्त 2024 की रात ब बलूचिस्तान में बड़ा संगठित हमला किया। BLA ने इसे ऑपरेशन हेरोफ नाम दिया। ऑपरेशन हेरोफ के तहत बलूचिस्तान के 10 से ज्यादा जिलों में एक ही समय पर कार्रवाई की गई। बलूच भाषा में 'हेरोफ' का मतलब 'तूफान' होता है। BLA के निशाने पर पाकिस्तानी सुरक्षा बल, पुलिस, पंजाब प्रांत के श्रमिक और पुल-हाईवे जैसे बुनियादी ढांचे थे। प्रमुख इलाके मुसाखेल, कलात, बेला, मस्तुंग, बोलान और तर्बत रहे। इस हमले में BLA के साथ उसका आत्मघाती दस्ता 'मजीद ब्रिगेड' भी शामिल था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस हमले में कम से कम 73 लोगों की मौत हुई। इनमें 31 सुरक्षाकर्मी, 33 नागरिक और 14 हमलावर थे।

लखनऊ में बेटों संग टहल रहे थे, 2002 के केस में घोषित था 25 हजार का इनाम

काली स्कॉर्पियो से सिपाही को उठा ले गई राजस्थान पुलिस

- सिपाही के अगवा होने की सूचना पर पुलिस अफसरों ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की।
- पुलिस ने सिपाही के परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सिपाही के अपहरण की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि सिपाही राजस्थान के 2002 के एक मामले में वांछित था। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। राजस्थान पुलिस उसे उठाकर ले गई है, तो अफसरों ने राहत की सांस ली। घटना रविवार सुबह 9 बजे गोमती नगर इलाके के ग्वारी गांव में हुई। सिपाही की पहचान ग्वारी निवासी अखिलेश त्रिपाठी के रूप में हुई। प्रत्यक्षदर्शी बेटों के अनुसार, अचानक एक काली स्कॉर्पियो उनके पास आकर रुकी। कार से उतरे लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया। पिता अखिलेश त्रिपाठी को जबरन गाड़ी में बैठा लिया। पूरी घटना इतनी जल्दी हुई कि आसपास के लोग समझ ही नहीं पाए कि मामला क्या है? घबराकर तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी।

राजस्थान पुलिस की कार्रवाई

जांच में सामने आया कि 2002 के पुराने मामले में ही राजस्थान पुलिस की टीम उन्हें उठाकर ले गई है। बताया जा रहा है कि लंबे समय से फरार चल रहे अखिलेश त्रिपाठी की तलाश में राजस्थान पुलिस लगी हुई थी। लोकेशन ट्रेस होने पर टीम ने लखनऊ आकर दबिश दी।

दो बेटों के साथ टहलने निकला था सिपाही

लखनऊ में स्मारक समिति की सुरक्षा व्यवस्था के लिए मायावती सरकार में एक विशेष सुरक्षा वाहिनी का गठन हुआ था। सिपाही अखिलेश त्रिपाठी इसी वाहिनी में तैनाती है। इन दिनों उसकी अंबेडकर पार्क में ड्यूटी रहती थी। रविवार सुबह वह अपने 2 बेटों के साथ टहलने निकला था।

मौके पर पहुंची पुलिस, शुरू हुई जांच

सूचना मिलते ही गोमती नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। शुरुआती तौर पर मामला अपहरण का लगा, जिससे परिवार और क्षेत्र के लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि कुछ देर बाद जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश त्रिपाठी वर्ष 2002 के एक पुराने मुकदमे में वांछित था। उस मामले में उनके खिलाफ 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

बसपा से पुराना रिश्ता, आगे भी काम करेंगे : अखिलेश यादव

नसीमुद्दीन को सपा जॉइन कराई, क्या मायावती को ऑफर दिया?

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पश्चिम यूपी में मुस्लिमों के कद्दावर नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने सपा का दामन थाम लिया है। रविवार को अखिलेश यादव उन्हें साथ लेकर लखनऊ में सपा कार्यालय पहुंचे। वहां पार्टी की सदस्यता दिलाई। नसीमुद्दीन के साथ 15,758 लोगों ने भी सपा जॉइन की। इसमें ज्यादातर बसपा कार्यकर्ता रहे हैं। सपा प्रमुख ने कहा- बहुजन समाज से पुराना रिश्ता रहा है। अब यह रिश्ता गहरा होता जा रहा है। हम लोगों का मेल-जोल बढ़ेगा। कई बार गठबंधन बनते और टूटते हैं। हमें उम्मीद है कि उस लड़ाई को और आगे बढ़ाने का काम करेंगे। पॉलिटिकल एक्सपर्ट कहते हैं- अखिलेश ने इशारों ही इशारों में बसपा सुप्रीमो मायावती को गठबंधन का ऑफर दिया है। अखिलेश ने सपा ऑफिस के मंच की दीवार यानी बैकड्रॉप पर नीला रंग भी जुड़वा दिया है। जो बसपा के झंडे का रंग है। जबकि पहले वहां हरा और लाल रंग था। वहीं, सपा जॉइन करने के बाद नसीमुद्दीन ने कहा- मैं पार्टी में सबसे जूनियर हूं। सब मेरे सीनियर हैं। मैं किसी भी पार्टी में रहा, नेता आपको (अखिलेश) मानता था। आपने कभी भी हिंदू, मुस्लिम, सिख-ईसाई की बात नहीं की, सबकी बात की। फिर उन्होंने शायरी पढ़ी- हयात लेके चलो कायनात लेके चलो, चलो तो सारे जमाने को साथ लेके चलो... योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा- हमें चिड़िया की आंख में निशाना लगाना है। सत्ता बदलनी है। 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना है। इस समय अपराध चरम पर है। ज्यादा बोलोगे तो बुलडोजर चल जाएगा। कोई नहीं बच रहा है। फिर दोबारा शायरी पढ़ी- दुनिया में कहीं ऐसी तमसीद नहीं मिलती, कातिल ही मुहाफिज है कातिल ही सिपाही है। महसूस ये होता है कि ये दौरे तबाही है, शीशे की अदालत है पत्थर की गवाही है। नसीमुद्दीन ने 24 जनवरी को कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। माना जा रहा था कि वे चंद्रशेखर आजाद की पार्टी (आजाद समाज पार्टी) जॉइन करेंगे या फिर अपनी पार्टी बनाकर उससे समझौता करेंगे। लेकिन समीकरण बदले और बीते शुक्रवार को उन्होंने सपा जॉइन करने का ऐलान कर दिया।

फास्ट न्यूज

रोड एक्सीडेंट में 2 दोस्तों की मौत

मोहनलालगंज। लखनऊ के गोसाईंगंज में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। युवकों को पहले किसी वाहन ने टक्कर मारा। जब वे बाइक समेत सड़क पर गिर गए तो दूसरे अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे युवक ने अस्पताल में दम तोड़ा। यह घटना शनिवार रात करीब 10 बजे नवाब अली पुरवा गांव के पास हुई।

कानपुर में 2 दिन बारिश का अलर्ट

कानपुर। मौसम ने एक बार फिर करवट लेकर लोगों को एक ही दिन में सर्दी और गर्मी का एहसास कराया। बीते 24 घंटे के दौरान रात के तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई, वहीं दिन का पारा 1.2 डिग्री बढ़ा है। सीएसए की ओर से जारी वेदर रिपोर्ट के अनुसार, न्यूनतम तापमान गिरकर 9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो सामान्य से 0.7 डिग्री कम है। इस गिरावट के कारण सुबह के समय घरों से निकलने वाले लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ा। सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी। 17 फरवरी से पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होगा। 17 और 18 फरवरी को बूंदाबांदी के आसार हैं। वहीं, दिन का मिजाज बिल्कुल उलट रहा। दोपहर में तेज धूप निकलने से अधिकतम तापमान में 1.2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

ताजमहल पर गोमूत्र चढ़ाने जा रहे हिंदूवादी नेता को खदेड़ा

आगरा। आगरा में ताजमहल बनाम तेजोमहालय पर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। महाशिव रात्रि पर ताजमहल पर गोमूत्र चढ़ाने पहुंचे हिंदूवादी नेता को पुलिस ने खदेड़ दिया। इपूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत अखिल भारतीय हिंदू महासभा के मंडल महामंत्री नीतेश भारद्वाज रविवार को महाशिव रात्रि पर गोमूत्र चढ़ाने के लिए ताजमहल के पश्चिमी गेट बैरियर पर पहुंचे।

विधायक बेदी राम का कथित ऑडियो सामने आया

बाघामऊ में सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप, बोले- गुंडई न करो

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। बाघमऊ में सरकारी जमीन पर कब्जा को लेकर एक ऑडियो सामने आया है। उसमें एक व्यक्ति खुद को गोमती नगर का तारा सिंह बिष्ट बता रहा है। वह सुभासपा विधायक बेदी राम पर सरकारी जमीन कब्जा करने का आरोप लगा रहा है। कह रहा है कि बाघामऊ में विधायक जी आप सरकारी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। बाउंड्री बनवा रहे हैं। दूसरी तरफ से कहा जा रहा है- मैं बेदी राम विधायक बोल रहा हूं। मेरा दो-तीन जगह काम है। मेरी बात सुन, वहां पर 16 फीट रोड है। इस पर खुद को तारा सिंह बताने वाले व्यक्ति ने कहा कि 40 फीट रोड है। इस पर दूसरी ओर से कहा गया- हमने 6 फीट रोड के लिए अपनी जमीन दी है। इस पर खुद को तारा सिंह बताने वाला कहता है कि आपने आगे भी जमीन कब्जा किया है। बातचीत में व्यक्ति ने नाले की जमीन पर भी कब्जा का आरोप लगाया। इस पर खुद को विधायक बेदी राम कहने वाले ने कहा- ऐसे करोगे तो वह भी बंद कर देंगे जो हमने 6 फीट रोड दिया है। हम सरकारी जमीन पर कब्जा नहीं करते हैं। इस पर तारा सिंह बिष्ट बताने वाला व्यक्ति कहता है कि आपने सरकारी जमीन पर कब्जा किया है। नपवा कर बाउंड्रीवाल तोड़वा दूंगा। वह नक्शे को भेजने को कहता है, तो खुद को बेदी राम कहने वाले ने कहा- वह खुद ही प्रॉपर्टी डीलर हैं। गुंडई न करो। बेदी राम पर लोगों ने भरवारा मल्हौर वार्ड में नाला पाटकर उसपर दीवार बनाने का आरोप लगाया है। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि विधायक ने 6 फीट आगे तक जमीन पर कब्जा कर लिया है।

बाइक में आग लगने से महिला जिंदा जली, मौत

देवरिया में पिकअप और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर, पति गंभीर घायल

- फायर सर्विस टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जिसके बाद बाइक ड्राइवर के स्ट्रेरिंग के पास फंस गई थी।
- आग लगते ही चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।
- मटर लदी पिकअप गाड़ी की आग लगने के बाद पूरी तरह से जलकर राख हो गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिया। देवरिया में एक शिक्षक की पत्नी की जिंदा जलकर मौत हो गई। गांव में महाशिवरात्रि की पूजा थी। इसी कारण रविवार सुबह चार बजे दोनों गांव जा रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार पिकअप और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद पति दूर जाकर गिर गया, जबकि पत्नी बाइक पर ही रह गई। उसी दौरान गाड़ी में भीषण आग लग गई। तेज चीखने की आवाज सुनाई दी। जब तक लोग मौके पर पहुंचे, तब तक पिकअप और बाइक दोनों जलकर राख हो चुकी थीं। ड्राइवर गाड़ी से उतरकर फरार हो गया। पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी गई। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामला खुखुंदू थाना क्षेत्र के मगहरा चौराहे का है। बरहज थाना क्षेत्र के अमाव गांव निवासी गिरीजा शंकर मिश्र (52) अपने परिवार के साथ रहते हैं। वह सलेमपुर के एक निजी स्कूल में शिक्षक हैं। उनकी पत्नी रेनू मिश्र (47) उनके साथ सलेमपुर में किराए के मकान में रहती थीं। महाशिवरात्रि के चलते रविवार और सोमवार को स्कूल में अवकाश था। गांव के मंदिर में पूजा रखी गई थी। रविवार को दंपत्ति बाइक से गांव के लिए निकले। सलेमपुर से करीब 8 किलोमीटर आगे पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही एक मटर लदी पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद शिक्षक गिरीजा शंकर दूर जा गिरे, जबकि उनकी पत्नी सड़क पर गिर गईं। इसी दौरान बाइक की टंकी फट गई और तेज धमाके के साथ आग लग गई।

रेनू मिश्रा
मृतक

आग लगने के बाद 10 फीट लपटें उठी

आग की लपटें पिकअप तक पहुंच गईं। चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। आग देखकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। पुलिस को मौके से मृतका का आईकार्ड मिला, जिससे उनकी पहचान हुई। रेनू मिश्र की घटनास्थल पर ही जलकर मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फायर सर्विस टीम ने 30 मिनट में पाया काबू

घायल गिरीजा शंकर मिश्र को 108 एंबुलेंस से पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, फिर बेहतर इलाज के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है। फायर सर्विस टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के बाद कुछ समय तक चौराहे पर अफरा-तफरी रही और यातायात प्रभावित हुआ। क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि मगहरा चौराहे पर पिकअप और बाइक की टक्कर से यह हादसा हुआ।

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला, एक्सप्रेस-वे से लेकर वोटर लिस्ट तक उठाए सवाल

प्रेस कॉन्फ्रेंस में महंगाई, किसान, जातीय जनगणना और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर सरकार को घेरा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार द्वारा निर्मित आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे देश को एक नया विजन देने वाला प्रोजेक्ट था और आज देश में बनने वाले एक्सप्रेस-वे उसी सोच पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ने एक्सप्रेस-वे पर लड़ाकू विमान उतारकर इसे रक्षा उपयोग के अनुकूल बनाया था। टोल प्लाजा की व्यवस्था भी आधुनिक ढंग से की गई, जिसे अब राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भी अपना रहा है। उनका आरोप था कि भाजपा सरकार समाजवादी सरकार के कार्यों की नकल कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि नोटबंदी 2017 के चुनाव को ध्यान में रखकर की गई थी। किसान आंदोलन और तीन कृषि कानूनों का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों के दबाव में कानून वापस लेने पड़े। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कर रही है और पंचायत चुनाव टालने के पीछे भी यही कारण है। अखिलेश यादव ने जातीय जनगणना की मांग दोहराते हुए कहा कि आबादी के अनुपात में सभी वर्गों को अधिकार और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए प्रतिबद्ध है। यूसीसी के सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा छात्रों और युवाओं को बांटने की राजनीति कर रही है ताकि महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों से ध्यान हटाया जा सके। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों, रक्षा सौदों और किसानों से जुड़े मुद्दों पर भी सवाल उठाए और कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है।

चर्चा : डिप्टी सीएम ने विधान परिषद में सपा एमएलसी को दिया जवाब

गाजीपुर मेडिकल कॉलेज 50 जिलों में नंबर वन

तमसा संकेत, एजेंसी

उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विधान परिषद में उस समय सकारात्मक चर्चा देखने को मिली, जब उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने महर्षि विश्वामित्र स्वशासी मेडिकल कॉलेज की कार्यप्रणाली की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के आधार पर यह मेडिकल कॉलेज प्रदेश के 50 जिलों के मेडिकल कॉलेजों में प्रथम स्थान पर है। यह बयान उस समय आया, जब समाजवादी पार्टी के एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने सदन में कॉलेज की व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे। जवाब में उपमुख्यमंत्री ने तथ्यों के साथ कॉलेज की उपलब्धियां गिनाईं। उपमुख्य-मंत्री ने सदन को याद दिलाया कि यह संस्थान पहले केवल एक जिला अस्पताल के रूप में कार्य करता था। उस समय गंभीर मरीजों को इलाज के लिए वाराणसी रेफर करना पड़ता था, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। भाजपा सरकार ने इसे अपग्रेड कर मेडिकल कॉलेज का दर्जा दिया। इसके बाद यहां संसाधनों में वृद्धि की गई, आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए और विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की गई। इन प्रयासों से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। ब्रजेश पाठक ने बताया कि उन्होंने स्वयं मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सकीय स्टाफ, उपकरणों और अन्य आवश्यक सुविधाओं को और मजबूत करने के निर्देश दिए थे।

प्रतिदिन 5,500 मरीजों की ओपीडी, एक महीने में 1.75 लाख का उपचार

ब्रजेश पाठक ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में प्रतिदिन औसतन लगभग 5,500 मरीजों की ओपीडी संचालित हो रही है। यही नहीं, एक महीने में करीब 1.75 लाख मरीजों का उपचार कर संस्थान ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि कॉलेज की सेवाओं पर जनता का भरोसा लगातार बढ़ रहा है और यहां इलाज की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

कॉलेज प्रशासन में उत्साह

उपमुख्यमंत्री की सार्वजनिक सराहना के बाद मेडिकल कॉलेज प्रशासन, डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों में उत्साह का माहौल है। अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का संकल्प दोहराया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में इस तरह की उपलब्धियों को सरकार प्रदेश के मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में देख रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

चिंता मत करें, हर...

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों से कहा कि जो लोग पात्र हैं और किसी कारण से उनका आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाया है, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

22 अप्रैल को...

इस साल केदारनाथ यात्रा पिछले साल की तुलना में पहले शुरू हो रही है। 2025 में धाम के कपाट 2 मई को खुले थे, जबकि इस बार 22 अप्रैल को खुलेंगे। यानी श्रद्धालु इस बार 10 दिन पहले बाबा केदार के दर्शन कर सकेंगे। तिथि घोषित होते ही शासन-प्रशासन और बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने यात्रा तैयारियों को तेज कर दिया है। पैदल मार्ग से बर्फ हटाने, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और यात्रियों के लिए सुविधाएं दुरुस्त करने का काम युद्धस्तर पर जारी है। इस बार यात्रा को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस वर्ष धाम में टी गंगाधर लिंग मुख्य पुजारी का दायित्व निभाएंगे। परंपरा के अनुसार केदारनाथ धाम के रावल दक्षिण भारत के कर्नाटक के वीरशैव (लिंगायत) संप्रदाय से होते हैं। आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित इस परंपरा के तहत रावल की नियुक्ति सदियों से चली आ रही धार्मिक परंपरा और अनुशासन का प्रतीक मानी जाती है। इससे पहले 23 अक्टूबर 2025 को भाई दूज के अवसर पर केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद किए गए थे। कपाट बंद होने के बाद बाबा की डोली पैदल मार्ग से रवाना होकर लगभग 55 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए 25 अक्टूबर को उखीमठ पहुंची थी, जहां ओंकारेश्वर मंदिर में शीतकालीन प्रवास शुरू हुआ। मंदिर समिति के अनुसार 2025 की यात्रा के दौरान 17,68,795 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। 2013 की आपदा के बाद यह दूसरा अवसर था जब इतनी बड़ी संख्या में भक्त धाम पहुंचे।

ट्रेड डील में...

कि किसने किसानों को नुकसान पहुंचाया है और किसने उनकी भलाई के लिए काम किया है। उन्होंने कांग्रेस के आरोपों को मजाकिया बताते हुए कहा कि मोदी सरकार ने 2014 के बाद ऐसे किसी भी नियम को आगे नहीं बढ़ाया, जिससे किसानों को नुकसान हो। सरकार ने हर समझौते में कृषि और डेयरी सेक्टर के हित सुरक्षित रखे हैं। किसानों, पशुपालकों और मछुआरों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

17 को रहमान...

जिया, तारिक के पिता थे। इसके अलावा चीन, मलेशिया, सऊदी अरब और तुर्किये जैसे मित्र देशों के प्रमुखों को भी बुलाने की तैयारी है। तारिक रहमान ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार की विदेश नीति बांग्लादेश के लोगों के हितों की रक्षा पर केंद्रित होगी और यह किसी एक देश पर आधारित नहीं होगी। तारिक रहमान ने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि रास्ते और विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन देश के हित में सभी को साथ रहना होगा। राष्ट्रीय एकता ही देश की ताकत है और बंटवारा कमजोरी। तारिक रहमान ने भारत-बांग्लादेश रिश्तों से जुड़े सवाल पर कहा कि हम बांग्लादेश के हितों को सबसे ऊपर रखेंगे। रहमान ने यह भी कहा कि चीन बांग्लादेश का विकास में सहयोगी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में बांग्लादेश और चीन मिलकर काम करते रहेंगे। उनका कहना था कि दूसरे देशों की तरह चीन भी बांग्लादेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब उनसे पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत से वापस लाने के बारे में पूछा गया, तो रहमान ने कहा कि यह पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

यह बजट मजबूरी...

दशक के लिए स्ट्रक्चरल रिफॉर्म, डीप इनोवेशन और आसान गवर्नेंस तीन रिफॉर्म प्रायोरिटी हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि महिलाओं की भलाई हमारी सरकार के हर फैसले को गाइड करती है। मेरा मानना है कि विकसित भारत बनाने में महिलाएं सबसे अहम भूमिका निभाएंगी। FY26-27 के लिए 12.2 लाख करोड़ रुपए का कैपेक्स 2013 के लेवल से पांच गुना ज्यादा है, जिसमें शॉर्ट-टर्म पॉपुलिज्म के बजाय प्रोडक्टिव खर्च को प्रायोरिटी दी गई है।

टीपू सुल्तान...

मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर दिखाने का जो प्रयास किया जा रहा है, वह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि मैं चर्चा के लिए तैयार हूं। जो प्रश्न पूछा गया था, मेरे उत्तर के संदर्भ में ही मेरा बयान है। जहां तक शिवाजी महाराज की बात है तो उनकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती। शिवाजी का जन्म 1627 में हुआ था। उन्होंने मुगलों और दक्खन (दक्षिण) की रियासतों से लोहा लेकर मराठा साम्राज्य की नींव रखी। 1675 में उनका राज्याभिषेक हुआ था। शिवाजी ने हैंदवधर्मोधारक (हिंदू धर्म के रक्षक) की उपाधि धारण की थी। 1680 में उनका निधन हो गया। वहीं, टीपू सुल्तान मैसूर के शासक थे। 1751 में जन्मे टीपू 1782 में पिता हैदर अली की मौत के बाद मैसूर की गद्दी पर बैठे। चौथे आंग्ल-मैसूर युद्ध (1799) में उनका निधन हो गया। टीपू फ्रांसीसियों पर काफी भरोसा करते थे। 1798 में टीपू और नेपोलियन के बीच पत्र व्यवहार हुआ था।

साली ने शादी से मना किया, भाभी को मार डाला

मथुरा में गला काटकर की जान देने की कोशिश

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में बड़े भाई की साली ने शादी से मना किया, तो देवर ने अपनी भाभी को ही मार डाला। उसके बाद खुद का गला काटकर जान देने की कोशिश की। घरवालों ने दोनों को खून से लथपथ देखा तो फौरन एम्बुलेंस से अस्पताल ले गए। वहां इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया, जबकि देवर का इलाज चल रहा। उसकी हालत गंभीर बनी है। अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घरवालों से घटना के बारे में पूछताछ की। मामला रविवार को थाना नौहझील क्षेत्र का है। कटैलिया बागई गांव में ज्वाला प्रसाद रहते हैं। उनके दो बेटे दीपक (23) और कालू हैं। कालू की शादी 4 महीने पहले करिश्मा से बलदेव में सामूहिक विवाह समारोह में हुई थी। इस समारोह में दीपक भी गया था। वहां करिश्मा को कालू पसंद आ गया। लेकिन, उसकी बहन को दीपक पसंद नहीं आया था। तभी से दीपक भाभी और उसके परिवारवालों से नाराज चल रहा था। रविवार दोपहर कालू और उसके पिता खेत पर थे। इसी दौरान दीपक का अपनी भाभी करिश्मा से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इसके बाद गुस्से में उसने भाभी की हत्या कर दी। फिर ब्लेड से खुद का गला काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया- दोपहर में अस्पताल से फोन आया था। बताया गया कि एक युवक और युवती जख्मी हालत में अस्पताल लाए गए। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676